

डॉ. क्रेग कीनर, अधिनियम, व्याख्यान 22, अधिनियम 23-26

© 2024 क्रेग कीनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 22, अधिनियम अध्याय 23 से 26 है।

अध्याय 22, श्लोक 30 से अध्याय 23 के श्लोक 10 में, हम महासभा की सुनवाई के बारे में पढ़ते हैं।

अब चिलियार्क, ट्रिब्यून, क्लॉडियस लिसियास, पॉल के बारे में मिलने के लिए सैनहेड्रिन को बुलाता है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे किसी भी तरह से नहीं मिलेंगे। सैनहेड्रिन के सदस्य शायद नियमित रूप से मिलते थे, लेकिन ट्रिब्यून जो मांग रहा है वह एक आकलन है।

पॉल को गवर्नर के पास भेजने से पहले उसे उनकी आधिकारिक विशेषज्ञता की आवश्यकता है। भीड़ की चीखें भ्रमित हो गई हैं, और इसलिए अब उन्हें आधिकारिक दृष्टिकोण मिलने जा रहा है, जिससे उन्हें उम्मीद है कि भ्रमित नहीं किया जाएगा। दुर्भाग्य से, वह गलत साबित होता है।

हनन्याह वर्ष 47 से लेकर लगभग 58 या 59 तक महायाजक था। इसलिए, जैसा कि एक्ट्स उल्लेख करता है, वह अभी भी इस बिंदु पर महायाजक है, लेकिन वह अपमानजनक था। हमने जोसेफस में इस उच्च पुरोहिती के बारे में सभी प्रकार की बुरी बातें पढ़ीं।

और फिर, तल्मूड कुछ उच्च पुजारियों द्वारा लोगों को पीटने के लिए लाठियों आदि का उपयोग करने की बात करता है। वह क्रांतिकारियों द्वारा पसंद नहीं किया गया था, इतना कि वह क्रांतिकारियों द्वारा सबसे पहले हत्या किए जाने वालों में से एक था। इसलिए, जब पॉल कहता है, भगवान तुम्हें मारेंगे, तुम सफेदी वाली दीवार हो, जो क्रांतिकारियों द्वारा किया गया था।

वह पॉल के गाल पर थप्पड़ मारने का आदेश देता है, जो एक गंभीर अपमान है। आम तौर पर इसका मतलब किसी व्यक्ति के दांत तोड़ना नहीं है। आम तौर पर गाल पर प्रहार का मतलब अपमान होता था।

दरअसल, यह कानून के तहत दंडनीय अपराध था। इसके लिए आप पर जुर्माना लगाया जा सकता है। और कई प्राचीन कानूनी संग्रहों में, इसे लेक्स टैलियोनिस, आंख के बदले आंख, दांत के बदले दांत के साथ रखा गया था।

अगर कोई आपके गाल पर मारता है तो उसे कितना जुर्माना देना होगा। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। यह स्पष्ट रूप से कानूनी नैतिकता का उल्लंघन था कि किसी को मारने का आदेश दिया जाए जैसा कि जॉन 18 में हुआ था जब यीशु को मारा गया था।

यीशु ने उत्तर दिया और पौलुस ने भी उत्तर दिया। पौलुस जवाब देता है, आपने सफेदी की हुई दीवार, यहजेकेल 13 श्लोक 10 से 15 की ओर इशारा करते हुए कहा, जहां भ्रष्टाचार को छुपाया गया था या सफेदी द्वारा कवर किया गया था। अब लोग जवाब देते हैं, आपकी हिम्मत कैसे हुई भगवान के महायाजक को इस तरह संबोधित करने की? जिस पर पॉल ने जवाब दिया, हे मेरे भाइयों, मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि वह एक महायाजक था।

विद्वानों के बीच एक बड़ी बहस यह है कि क्या पॉल ने वास्तव में उन्हें महायाजक के रूप में मान्यता नहीं दी थी या क्या पॉल व्यंग्यात्मक या विडंबनापूर्ण ढंग से बोल रहे हैं। खैर, कुछ लोग कहते हैं कि पॉल को निकट दृष्टिदोष था, जैसा कि मैं भी हूँ, और इसीलिए पॉल ने कहा कि वह नहीं पहचानता कि वह एक महायाजक है क्योंकि महायाजक ने अपना आधिकारिक राजचिह्न पहन रखा होगा। यह कोई बहुत अच्छा तर्क नहीं है।

वे कहते हैं, ठीक है, पौलुस ने कहा, जब मैं गलातिया में तुम्हारे साथ था, तो मैं बीमार था, गलातियों 4.13। यह सच है। परन्तु वह वहां यह भी कहता है, कि तू होता, मैं गवाही देता हूँ, कि तू अपनी आंखें निकालकर मुझे दे देता। और इसलिए, लोग कहते हैं कि पॉल की आँखों में कुछ गड़बड़ रही होगी।

दुर्भाग्य से उस तर्क के लिए, वह भाषण का एक परिचित रूप था। प्राचीन साहित्य में अन्यत्र यह किसी व्यक्ति के लिए स्नेह दिखाने या किसी अन्य व्यक्ति के लिए गहरा बलिदान करने के लिए तैयार होने का एक तरीका मात्र प्रतीत होता है। इसका मतलब यह नहीं है कि पॉल की आँखों में कुछ गड़बड़ थी।

और वास्तव में, यह तर्क वैसे भी आवश्यक नहीं होगा, क्योंकि महायाजक ने अपना राजचिह्न नहीं पहना होगा। वह उनके पुरोहिती कर्तव्यों के लिए था। वह महासभा की अध्यक्षता के लिए नहीं था।

अब महायाजक वह महायाजक नहीं होगा जिसे पॉल जानता था, लेकिन बैठक में उसकी आधिकारिक भूमिका के कारण, शायद उसके बैठने के कारण, मुझे संदेह है कि पॉल ने शायद पहचान लिया था कि यह सर्वोच्च पुजारी था। और इसलिए, मुझे संदेह है कि पॉल शायद व्यंग्यात्मक था, व्यंग्यात्मक था। लेकिन किसी भी मामले में, पॉल कानून के अनुसार जवाब देता है।

उनका यह कहना वास्तव में पाखंड था, कि तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई परमेश्वर के महायाजक को इस प्रकार उत्तर देने की, जबकि महायाजक व्यवस्था के अनुसार कार्य नहीं कर रहा था और उसे मार रहा था। लेकिन पॉल कानून का हवाला दे रहा है या वह धर्मग्रंथ का हवाला दे रहा है जब वह कहता है, तुमने दीवार को सफेद कर दिया। पॉल ऐसे व्यक्ति के रूप में बोल रहा है जो महायाजक के विपरीत कानून का समर्थन करता है।

और जब पॉल कहता है, मुझे क्षमा करें, शायद व्यंग्यात्मक ढंग से बोल रहा हूँ, लेकिन मुझे एहसास नहीं हुआ कि वह महायाजक था, तो वह धर्मग्रंथ उद्धृत करता है। फिर, उस पर अलग-

अलग विचार हैं। लेकिन पॉल पवित्रशास्त्र का हवाला देता है क्योंकि धर्मग्रंथ कहता है, अपने लोगों के शासक के बारे में बुरा मत बोलो।

महायाजक थे...रोमन गवर्नर इच्छानुसार उच्चयाजकों की नियुक्ति करता था और इच्छानुसार महायाजकों को पदच्युत करता था। या इस अवधि में, अग्रिप्पा ऐसा कर सकता था। अग्रिप्पा द्वितीय, अग्रिप्पा प्रथम का पुत्र जिसकी मृत्यु अधिनियम अध्याय 12 में हुई थी।

इसलिए, पॉल ने वर्तमान महायाजक को न पहचानते हुए, शायद जानबूझकर उसे न पहचानते हुए पवित्रशास्त्र का हवाला दिया। वह कुछ रूढ़िवादी यहूदी संवेदनाओं को भी आकर्षित कर सकता है, क्योंकि महायाजक, जैसा कि आप जानते हैं, वास्तव में रोम की कठपुतली नहीं था, लेकिन उसे कुछ सीमाओं के भीतर काम करना पड़ता था। पॉल अपने लोकाचार को आगे बढ़ा रहे हैं।

मैंने पहले भावनाओं को आकर्षित करने वाले पथों का उल्लेख किया था। लोकाचार चरित्र के लिए एक अपील थी, बहुत बार-बार, बयानबाजी में बहुत महत्वपूर्ण। आप इसे प्राचीन भाषणों में हर जगह पाते हैं।

कोई उनके चरित्र को लेकर विवाद कर रहा है। मैं उस तरह का व्यक्ति नहीं हूँ जो वह बुरा काम करता। या मैं उस तरह का व्यक्ति हूँ जिसने यह अच्छा काम किया होगा।'

खैर, पॉल अपने लोकाचार, अपने चरित्र को यह दिखाकर स्थापित कर रहा है कि वह एक धर्मग्रंथ का व्यक्ति है। वह धर्मग्रंथ उद्धृत कर सकता है। उसे न्याय की परवाह है।

हालाँकि, अब तक, वह अपनी यहूदी संस्कृति के साथ अपनी पहचान दिखाने की कोशिश में कोई बढ़त हासिल नहीं कर पा रहा है। तथ्य यह है कि उसका पालन-पोषण इस तरह से या किसी भी तरह से किया गया था। तो अंत में, श्लोक छह में, वह कहता है, भाइयों, मैं एक फरीसी हूँ, फरीसियों का पुत्र।

और जिस कारण से मुझ पर मुकदमा चल रहा है वह मृतकों के पुनरुत्थान के लिए है, जो सदृकियों के विपरीत एक फरीसी विशिष्ट था। पॉल ने फरीसियों के प्रति विशिष्ट मान्यताएँ रखीं। वह फरीसियों की विशिष्ट मान्यताओं से भी अधिक का पालन करता था।

उनका मानना था कि न केवल मृतकों का पुनरुत्थान होने वाला है बल्कि यीशु को मृतकों में से पुनर्जीवित किया गया है। फरीसियों के पुत्र का मतलब यह हो सकता है कि वह फरीसी आंदोलन का अनुयायी था, लेकिन इसका मतलब यह हो सकता है कि उसका पूरा परिवार यरूशलेम में स्थानांतरित हो गया था और उसके पिता एक फरीसी थे और साथ ही पॉल भी एक फरीसी था। किसी भी मामले में, महासभा में फरीसी अल्पसंख्यक थे और वे शायद इस समय अपने साथ होने वाले भेदभाव के प्रति बहुत संवेदनशील थे।

याद रखें, यह गमलीएल ही था जिसने पहले यहां पीटर और अन्य प्रेरितों का बचाव किया था। यह फरीसी ही हैं जो पॉल का बचाव भी करते हैं। वे उसके रहस्योद्घाटन का बचाव करते हैं।

उन्होंने कहा, अच्छा, हम क्या जानें? शायद किसी देवदूत या आत्मा ने उससे बात की हो। अब, इससे उनका क्या तात्पर्य है? आपको प्रेरितों के काम अध्याय 12 से हमारी टिप्पणी याद होगी, कि कभी-कभी यहूदी लोग मानते थे कि किसी व्यक्ति के मरने के बाद, वे एक देवदूत बन जाते हैं। निश्चित रूप से, वे कम से कम एक आत्मा बन गये।

इसलिए, फरीसियों को उससे सहमत होने की ज़रूरत नहीं है कि यीशु पहले ही मृतकों में से जीवित हो चुके हैं, लेकिन यहाँ कोई है जो पुनरुत्थान में विश्वास करता है। अधिनियम 15.5 से हम जानते हैं कि कुछ फरीसी आस्तिक थे। हम जानते हैं कि इस समय फरीसियों के बीच यह आंदोलन बहुत सम्मानजनक है क्योंकि वे टोरा रखते हैं।

वे स्पष्ट रूप से फरीसियों की कई परंपराओं का भी पालन करते हैं। कोई भी नाव को ज्यादा हिला नहीं रहा है। फरीसियों की यह पीढ़ी अधिक खुली प्रतीत होती है और वे कह सकते हैं, ठीक है, शायद यीशु मृतकों में से नहीं उठे, लेकिन हो सकता है कि वह एक आत्मा या देवदूत हों।

हो सकता है कि उसने पॉल से बात की हो, क्योंकि प्रेरितों के काम अध्याय 22 में, उन्हें रिपोर्ट पहले ही मिल गई होगी, हो सकता है कि उनमें से कुछ वहां रहे हों, कि प्रेरितों के काम 22 में, पॉल कह रहा था कि यीशु उसके सामने प्रकट हुए और यीशु ने उससे बात की। खैर, महासभा के भीतर एक संघर्ष छिड़ जाता है। फरीसी एक तरफ खींच रहे हैं, सद्दूकी दूसरी तरफ खींच रहे हैं।

और यह वास्तव में उस समय लोगों को मारने का एक घृणित तरीका था जहां आप उन्हें अलग कर सकते थे, लेकिन यह आपके पास कुछ अन्य दस्तावेजों में भी है जहां ऐसे लोग थे जो उस व्यक्ति को पसंद करते थे और उस व्यक्ति को पसंद नहीं करते थे या दो लोग थे जो उस व्यक्ति को पसंद करते थे। अलग-अलग दिशाओं में खींचना। इस मामले में, ट्रिब्यून, जो बोला गया था उसे सुनने में सक्षम है। तो, वह एक गवाह है।

वह सैनिकों को परिषद कक्ष में नहीं लाया था, जो बाद में रब्बी परंपरा के अनुसार टेंपल माउंट पर या टेंपल माउंट के बहुत करीब ह्यूम स्टोन का कक्ष था। जोसेफस इसे किसी भी मामले में, बहुत करीब से रखता प्रतीत होता है। और इसलिए, हमें लगता है कि हम जानते हैं कि यह कहां है, जो जल्द ही दिलचस्पी का विषय होगा।

लेकिन किसी भी स्थिति में, उसके सैनिक बाहर हैं, लेकिन वह कक्ष के शीर्ष पर है। वह यह सुनने में सक्षम है कि लोग क्या कह रहे हैं। वह यह देखने में सक्षम है कि कैसे महायाजक ने पॉल को मारने का आदेश दिया।

वह संभवतः ग्रीक भाषा में चल रही बातचीत को सुनने में सक्षम है। संभवतः पॉल ने ग्रीक भाषा में बोलना शुरू किया था और संभवतः सद्दूकी लोग अक्सर ग्रीक भाषा बोलते थे। यह उनके कई कब्र शिलालेखों पर है।

तो, किसी भी मामले में, क्लॉडियस लिसियास इसमें से कुछ का पालन करने और यह देखने में सक्षम है कि यह एक आंतरिक धार्मिक मुद्दा है। पॉल वास्तव में चतुर था क्योंकि वह जानता था कि रोमन अदालत में क्या बात टिकेगी। उन्हें इसका अनुभव है।

इसलिए, वह यह सुनिश्चित करता है कि महासभा की सुनवाई से जो आरोप निकलेगा वह एक धार्मिक मुद्दा होगा। हो सकता है उसकी गिनती न की गयी हो। हालाँकि, उसने फरीसियों और सदूकियों द्वारा अलग किये जाने पर भरोसा नहीं किया होगा।

इस बिंदु पर, लिसियास हस्तक्षेप करता है, और पॉल को फिर से बाहर निकालने के लिए सेना भेजता है। इसलिए बाद में, जब वह कहता है कि उसने जानबूझकर पॉल को बचाया, तो कम से कम इसमें कुछ सच्चाई होगी, भले ही पहली बार ऐसा नहीं हुआ था कि उसने उसे बचाया था। क्या महासभा इस प्रकार कार्य कर सकती थी? खैर, रोम में सीनेट में हमारे बीच इस तरह की लड़ाई होती रहती है।

हमारे पास जोसेफस है जो महासभा के बारे में बात कर रहा है, यहाँ तक कि सदस्य एक-दूसरे पर पत्थर फेंक रहे हैं। मुझे नहीं पता कि वे इन्हें अपने साथ लाए थे या उन्हें ये कैसे मिले। वे शायद उन्हें दीवारों से बाहर नहीं खींच रहे थे।

लेकिन किसी भी मामले में, महासभा में संघर्ष केवल इसी अवसर पर नहीं था। तो, क्लॉडियस लिसियास को विचार करना होगा कि अब मैं क्या करने जा रहा हूँ? और इस घटना के बीच में, पॉल को मारने की साजिश है, श्लोक 12 से 15। पॉल हत्यारों में से एक नहीं है जैसा कि 21:38 में सोचा गया था, लेकिन कुछ अन्य लोग पॉल की हत्या करना चाहते हैं।

और उन्होंने शपथ खाई कि जब तक वे पौलुस को मार न डालें, तब तक न खाएँगे और न पीएँगे। अब, कभी-कभी लोग आश्चर्य करते हैं कि उनके साथ क्या हुआ होगा क्योंकि वे अंततः पॉल को मारने में सफल नहीं हुए। यदि मैं सस्पेंस को ठेस पहुँचा रहा हूँ तो क्षमा करें।

लेकिन खैर, उनका क्या हुआ होगा? वे भूख से मर सकते थे, या निर्जलीकरण से मर सकते थे, लेकिन संभवतः ऐसा नहीं हुआ। उस समय आप किसी रब्बी या कानून की शिक्षा प्राप्त किसी व्यक्ति से कुछ परिस्थितियों में आपको अपनी शपथ से मुक्त करवा सकते थे। इसलिए, संभवतः वे कम से कम कुछ समय और जीवित रहे होंगे, हालाँकि यदि वे इसी तरह जारी रहते, तो निस्संदेह वे क्रांतिकारियों में से होते और एक दशक के भीतर मर जाते।

लेकिन जो भी हो, ये जवान आदमी थे। और याद रखें, युवावस्था अक्सर उत्साह, विभिन्न प्रकार के जुनून से जुड़ी होती थी। वे शारीरिक रूप से हमला करने में सक्षम होंगे।

और इसे राष्ट्रवादी उत्साह से भी जोड़ा गया। जोसीफ़स विशेषकर युवा लोगों के बारे में बात करता है जो लड़ाई में शामिल होना चाहते हैं। और यह कि कुछ युवा पुरोहित कुलीनों को क्रांतिकारियों से सहानुभूति थी।

इसीलिए वे कहते हैं कि उनकी योजना महासभा में कुछ लोगों से संपर्क करने और महासभा से पॉल को फिर से लाने के लिए कहने की है। और फिर वे रास्ते में पॉल की हत्या कर देंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि महासभा में हर कोई इसमें शामिल रहा होगा, लेकिन महासभा में उनके प्रति सहानुभूति रखने वाले लोग रहे होंगे जो रहे होंगे।

और यह बाद में अध्याय 25 में एक चिंता का विषय है जब पॉल को यरूशलेम लाया जाना है। खैर, उस समय उन्हें कथानक के बारे में कैसे पता चला? ल्यूक संभवतः पहले जो ज्ञात था उसके आधार पर यह मान सकता है। वहाँ एक रिसाव है।

और जैसा कि मुझे लगता है कि मैंने पहले भी उल्लेख किया है, लीक हर समय होते रहे हैं, महासभा से भी। जोसीफस अपने ही एक मामले की रिपोर्ट करता है जहां कुछ लोगों को उसे मारने या कैदी के रूप में वापस लाने के लिए भेजा गया था। तो, पॉल का भतीजा भी एक युवा है और लोग नहीं जानते होंगे कि वह पॉल का भतीजा है।

किसी भी मामले में, कोई किसी को बताता है और पॉल का भतीजा, जिसके बारे में जिस मंडली में सुना जाता है, उसके दोस्त हो सकते हैं, उसे चेतावनी देने के लिए आता है। खैर, वह एंटोनिया किले में कैसे पहुंचेगा? ओह, उससे पहले मैं कुछ बता दूं कि यह कथानक कैसे काम करता होगा। किले एंटोनिया से जहां पॉल को रखा गया था, सैनहेड्रिन की संभावित जगह केवल 1,000 से 1,500 फीट या 300 से 450 मीटर की दूरी पर है।

और वहां का रास्ता मंदिर के एक तरफ काफी संकरा रास्ता है। तो, इसका मतलब है कि रोमन अपनी संख्या पर निर्भर नहीं रह सकते। यदि उनके स्तंभ के केंद्र में जहां पॉल है, वहां बिजली की तेजी से हमला होता है, तो वे पॉल को तुरंत मार सकते हैं।

और अगर उनमें से कुछ इस प्रक्रिया में मारे जाते हैं, तो यह वैसे भी उनकी योजना का हिस्सा था। वे ऐसा करने को तैयार थे। यह एक संभावित आत्मघाती हमला है।

उनका मानना है कि इन हालात में वे शहीद हो जायेंगे। तो, उनमें से लगभग 40, वे सैनिकों से अधिक संख्या में नहीं जा रहे हैं, लेकिन वे इस संकीर्ण मार्ग पर चलते हुए इस स्तंभ में एक विशेष स्थान पर सैनिकों से अधिक संख्या में जा रहे हैं। इस बीच, वे ऐसा व्यवहार कर सकते हैं जैसे वे मंदिर क्षेत्र में खड़े हों जैसे कि बहुत से अन्य लोग कर रहे हैं।

तो, ऐसा कैसे है कि पॉल की हत्या नहीं होती और उसके आसपास के सैनिकों की हत्या नहीं होती? खैर, उसका भतीजा इस बारे में सुनता है और शायद देर दोपहर या शाम को फोर्ट्रेस एंटोनिया की ओर जाता है। गार्ड आगंतुकों को अनुमति दे सकते हैं। अक्सर, वे इसकी अनुमति देने के लिए रिश्तत लेते थे।

यही कारण है कि फेलिक्स को बाद में पॉल के प्रभारी सूबेदार को आदेश देना पड़ा कि वह अपने दोस्तों को उससे मिलने और उसकी सेवा करने दे। इससे राज्य का पैसा भी बचता है। लेकिन किसी भी मामले में, फेलिक्स को इसकी चिंता नहीं होगी।

लेकिन ऐसा इसलिए होगा क्योंकि वह जानता है कि पॉल निर्दोष है। लेकिन गार्डों के लिए रिश्तत बहुत मानक प्रथा थी। लेकिन पॉल एक रोमन नागरिक है, इसलिए उसे पहले से ही विशेष उपचार मिल रहा है।

विशेष व्यवहार के मुद्दों में से एक, उसे गार्डों में से एक के रूप में एक सेंचुरियन मिला है। आम तौर पर, आपको गार्ड के रूप में सेंचुरियन केवल तभी मिलेगा जब आप काफी ऊंचे पद पर हों। मेरा मतलब है, पहले समूह के साथ यही हुआ।

जब वह पहरे में था, तो उस पर एक सूबेदार का पहरा था। यह पॉल की अपेक्षाकृत उच्च स्थिति को दर्शाता है। खैर, लिसियास, यह कहानी पॉल के भतीजे की है।

पॉल ने भतीजे से कहा कि वह फ्लेवियस लिसियास के अलावा किसी को न बताए। वह इस बिंदु पर लिसियास पर भरोसा करने के लिए पर्याप्त रूप से जानता है या जितना वह कर सकता है। कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

क्योंकि अगर यह बात फैल गई कि भतीजे ने यह बताया है और यह बात कभी हत्यारों तक पहुंची, तो आपका भतीजा अभी भी यरूशलेम में है। तो, वह जाता है और चिलियार्क, ट्रिब्यून, क्लॉडियस लिसियास को बताता है। जैसे ही वह आता है, क्लॉडियस लिसियास उसका हाथ पकड़ लेता है, जो यह दिखाने का एक परिचित तरीका है कि उसे किसी व्यक्ति से डरना या उसका स्वागत नहीं करना चाहिए।

और उसे पता चलता है कि क्या हो रहा है। खैर, वह वास्तव में महासभा के अनुरोध को अस्वीकार नहीं कर सकता। यदि महासभा पॉल को आने के लिए कहती है, यदि वह कहता है, नहीं, मैं पॉल को आपके पास नहीं भेजूंगा, तो यह महासभा का अपमान है।

यदि वह कहता है, मैं पॉल को तुम्हारे पास नहीं भेजूंगा क्योंकि मैंने इस साजिश के बारे में सुना है, इससे लोगों को परेशानी होगी। इसलिए, वह महासभा के अनुरोध को अस्वीकार नहीं करता है। वह इसका पूर्वाभास करता है।

वह पॉल को सीधे गवर्नर फेलिक्स के पास भेजता है। और वह उसके साथ एक पत्र भेजता है जो परिस्थितियों को स्पष्ट करता है। यह सभी परिस्थितियों की व्याख्या नहीं करता।

उसके खिलाफ एक साजिश रची गई थी, लेकिन उसने महासभा को इसमें शामिल नहीं किया क्योंकि एक बार यह पत्र भेजे जाने के बाद, यह सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा बन जाता है। और यह बहुत असुविधाजनक होगा कि यरूशलेम में एक ट्रिब्यून एक समूह की कमान संभाले और अब आपको पूरी महासभा ही अपने शत्रु के रूप में मिल गई है। इसलिए, ऐसा न लगे कि वह अनुरोध अस्वीकार कर रहा है।

ऐसा नहीं लगता कि वह उन पर कोई आरोप लगा रहा है। वह पॉल को अप्रत्याशित रूप से बाहर भेज देता है। वह अपने दल का एक बड़ा हिस्सा, कुछ दल, सबसे बड़ा दल भेजता है।

और ये संक्रमण का दौर था. हम ठीक से नहीं जानते कि यह कब मानकीकृत आकार का दल बन गया, लेकिन कुछ दल में 600 सैनिक थे। पहले इसमें 480 सैनिक थे।

कुछ समूहों में 480 पैदल सेना और 120 घुड़सवार सेना थी। लिसियास घुड़सवार सेना और पैदल सेना दोनों भेजता है, और वह स्पष्ट रूप से अपने दल का एक बड़ा हिस्सा भेजता है। अब यह पेंटेकोस्ट त्योहार के ठीक बाद है और त्योहारों के दौरान किले एंटोनिया में यरूशलेम में भीड़ बढ़ा दी गई थी।

और संभवतः यह गवर्नर, जो अक्षम था, जैसा कि हम देखेंगे, दिखाई नहीं दिया। उसने अभी-अभी सेना भेजी थी और वे सभी अभी तक वापस नहीं गए थे। तो शायद इनमें से कुछ घुड़सवारों को वैसे भी वापस जाने की ज़रूरत है।

लेकिन जो भी मामला हो, वह पॉल के साथ पर्याप्त संख्या में सैनिक भेजता है, जो आपकी सामान्य अपेक्षा से कहीं अधिक है। लेकिन फिर, ज्यूडियन पहाड़ियों में रात में घात लगाकर किए जाने वाले हमले बढ़ रहे थे। और जोसेफस इसके बारे में बात करता है, फेलिक्स के गलत प्रशासन को दोषी ठहराता है क्योंकि यदि आपको किसी चीज के लिए गिरफ्तार किया गया था, जिसमें रात में घात में शामिल होना भी शामिल था, तो आपको जिंदा पकड़ लिया गया था, आपने पर्याप्त पैसे का भुगतान किया, आप छूट गए, आप मुक्त हो गए।

इसलिए, भ्रष्टाचार के कारण, इस अवधि में घात हमले बढ़ रहे थे और यदि आपके पास अधिक सैनिक होते तो यह घात को रोक सकता था। और यदि आपने घात लगाकर किए गए हमले को रोक दिया, तो यह घात लगाकर लड़ने से बेहतर था क्योंकि लड़ाई में आप जितने अधिक लोगों को खोएंगे, ट्रिब्यून को उतनी ही अधिक परेशानी हो सकती है। यदि वह किसी को नहीं खोता है, तो वह अच्छी स्थिति में है।

इसलिए, वह सैनिकों को भेजता है और उन्हें टिबेरियस क्लॉडियस फेलिक्स के पास रात भर जबरन मार्च करने के लिए भेजा जाता है। अब वह टिबेरियस एंटोनियस फेलिक्स हो सकता था। जोसेफस जो कहता है और टिबेरियस जो कहता है, उसके बीच अंतर है, लेकिन जोसेफस की स्थानीय स्थिति में अधिक विशिष्ट रुचि थी।

टैसीटस ने शायद यह मान लिया था कि उसके भाई पॉलस फेलिक्स के पास उसकी फ्रीडमैन स्थिति के लिए वही प्रायोजक था जो उसके भाई के पास था। तो शायद जोसेफस सही है. किसी भी स्थिति में, संभवतः टिबेरियस क्लॉडियस फेलिक्स उसका पूरा नाम है।

वह पद पर शायद 52 के आसपास शुरू हुआ था और शायद 59 के आसपास समाप्त हुआ था। फेलिक्स को आधिकारिक पत्र कानूनी फ़ाइल का हिस्सा बन जाएगा। इसीलिए ल्यूक संभवतः इसे सटीक रूप से उद्धृत कर सकता है, या यदि ल्यूक चाहे तो शब्दों में बदलाव कर सकता है।

व्याख्या स्वीकार कर ली गई। लेकिन जब वे कैसरिया में थे तो ल्यूक के पास इस पत्र तक पहुंच थी क्योंकि बचाव दल के साथ-साथ अभियोजन पक्ष के पास भी इस पत्र तक पहुंच थी। ठीक वैसे ही जैसे ल्यूक के पास भी अधिनियम 24:25 में दिए गए सभी भाषणों की सारांश प्रतिलिपि होगी,

जो वास्तव में संक्षेप में संक्षेप में प्रस्तुत की गई है, और 26, पॉल और उसके आरोपियों द्वारा दिए गए भाषण, विशेष रूप से अधिनियम अध्याय 24 में टर्टुलस।

जब ल्यूक चीजें लिखता है तो उसकी उन तक पहुंच होती। और हो सकता है कि वह अधिनियम 26 में वाले के लिए वहां गया हो, शायद अधिनियम 24 में वाले के लिए नहीं, लेकिन उसे शायद इसके बारे में पता नहीं होगा, ठीक है, वह समय में यात्रा करने में सक्षम हो सकता था, लेकिन शायद नहीं। और फेलिक्स को सबसे उत्कृष्ट फेलिक्स कहकर संबोधित किया जाता है।

यह सीनेटरियल वर्ग के ठीक नीचे, रोमन नाइट वर्ग के किसी व्यक्ति के लिए उपयुक्त उपाधि थी। ठीक है, और आप उच्च लोगों को भी इस तरह से संबोधित कर सकते हैं, लेकिन शूरवीरों को इस तरह से संबोधित किया जाएगा। लेकिन फ़ेलिक्स वह नहीं है।

वह एक स्वतंत्र व्यक्ति है, लेकिन वह एक स्वतंत्र व्यक्ति है जो एक शक्तिशाली स्वतंत्र व्यक्ति है क्योंकि उसका भाई, जो रोम महल में एक स्वतंत्र गुलाम है, के पास बहुत अधिक शक्ति है। वह अब सत्ता की उस स्थिति में नहीं है जिस पर वह पहले था, लेकिन उसके पास अभी भी कुछ राजनीतिक शक्ति है। तो, फेलिक्स गवर्नर है और इसलिए उसे सबसे उत्कृष्ट की उपाधि मिलती है।

क्लॉडियस लिसियास जिस तरह से बताता है कि क्या हुआ, उससे ऐसा लगता है जैसे उसने जानबूझकर पॉल को बचाया था। और पॉल नहीं है, आप जानते हैं, पॉल को पत्र के बारे में अवगत कराया गया है, इसलिए इसका खंडन करने की संभावना नहीं है क्योंकि, आप जानते हैं, आप अपने उपकारक को तब तक कमजोर नहीं करते हैं, जब तक आप जानते हैं, उससे जिरह नहीं की गई थी और उसके पास कोई विकल्प नहीं था, लेकिन शायद वह लिसियास की बात का खंडन नहीं करेगा कि लिसियास ने उसे बचाया, जो कि लिसियास ने दूसरी बार किया था। सैनिकों को पॉल और उसके पत्र के साथ जबरन रात भर के मार्च में भेजा जाता है।

अब, कुछ लोगों का कहना है कि एंटीपैट्रिस उनके लिए रात भर मार्च करने के लिए बहुत दूर था। और यह एक उचित आपत्ति प्रतीत होती है। इसी तरह, कितने सैनिक भेजे जाते हैं, इस पर भी आपत्ति है।

आखिरकार, ल्यूक वहाँ नहीं था। ल्यूक एंटोनिया के किले में नहीं था। वह बाद में कैसरिया में ही पॉल से मिला।

हालाँकि, जो कारण मैंने बताए हैं, मुझे यह कहने का कोई कारण नहीं दिखता कि यह अविश्वसनीय है कि इतने सारे सैनिक भेजे गए थे। और जहाँ तक जबरन रात भर मार्च करने की बात है, रोमन सैनिकों ने नियमित रूप से ऐसा किया। उन्हें प्रतिदिन व्यायाम करना चाहिए था।

संभवतः उनमें से सभी ने ऐसा नहीं किया, लेकिन उन्होंने समय-समय पर 20 मील या 32 किलोमीटर की जबरन यात्रा की। कभी-कभी उन्होंने 30 मील या 48 किलोमीटर तक की ज़बरदस्ती मार्च निकाला था। कभी-कभी उन्हें पूरी रात ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता था।

तो, उन्हें इसके लिए प्रशिक्षित किया गया होगा। अब, एंटीपैट्रिस 35 और, लंबे अनुमान के अनुसार, 45 मील या 55 से 70 किलोमीटर दूर है, लेकिन यह ढलान पर है। और इसलिए संभवतः यदि उन्हें ऐसा करना होता तो वे ऐसा कर सकते थे।

युद्ध की स्थिति में कभी-कभी लोग ऐसी हरकतें कर बैठते हैं। यह ढलान पर है। वे एंटीपैट्रिस पहुंचते हैं, ठीक है, हम नहीं जानते कि वे सुबह किस समय वहां पहुंचते हैं, लेकिन संभवतः अंधेरा होते ही वे शाम को जल्दी चले जाते हैं।

और पैदल सेना शायद, आप जानते हैं, उन्हें घूमना होगा और एंटोनिया के किले में वापस आना होगा। यह बहुत अच्छा होगा यदि लोगों को यह एहसास होने से पहले कि वे सभी गायब हैं, वे वापस आ जाएं। लेकिन यह दिन का उजाला होगा।

ज्यादातर घात लगाकर हमले रात के वक्त हुए। घुड़सवार सेना एंटीपैट्रिस से अपने रास्ते पर चलती रही, जो कैसरिया का लगभग आधा रास्ता था। हम रोमन सड़कों को जानते हैं।

दरअसल, इस अवधि में एंटीपैट्रिस की साइट के बारे में कुछ बहस चल रही है, लेकिन हम उन सड़कों को जानते हैं जो रोमन मील के पथरों से ली गई थीं। और फिर वहाँ से, घुड़सवार कैसरिया की ओर बढ़ते हैं और वे पॉल को सौंपते हैं और वे पत्र देते हैं। और लिसियास ने पत्र पढ़ा।

अधिकांश लोग ज़ोर से पढ़ते हैं, इसलिए संभवतः वह या उसके लिए पढ़ने वाला कोई व्यक्ति, जिसका भाषा में अर्थ यह भी हो सकता है, पत्र को ज़ोर से पढ़ें। पॉल इसे सुन सकता है यदि उसने इसे पहले नहीं सुना है। और साथ ही, गवर्नर फेलिक्स पूछता है कि वह किस प्रांत से आता है।

खैर, वह सिलिसिया से आता है। और तभी फेलिक्स ने मामले को स्वयं संभालने का फैसला किया, क्योंकि वह इसे किसी और को सौंप सकता था और अपना कार्यभार कम कर सकता था। परन्तु यदि पॉल किलिकिया से है, तो इस अवधि में, किलिकिया पर भी सीरिया के गवर्नर द्वारा शासन किया गया था, जो फेलिक्स का बॉस है।

और अपने बॉस को अधिक कार्यभार देने के बजाय, वह निर्णय लेता है कि वह इसे स्वयं संभालेगा। एक बार जब आरोप लगाने वाले आ गए, तो क्लॉडियस लिसियास, उसका अपना ट्रिब्यून, आने में सक्षम है। अब, क्लॉडियस लिसियास, वैसे, जरूरी नहीं था, ठीक है, शायद एक स्वतंत्र व्यक्ति नहीं था।

दरअसल, वह स्वतंत्र व्यक्ति नहीं थे। उन्होंने अपनी नागरिकता खरीद ली। लेकिन गवर्नर फेलिक्स की तरह, वह इस कार्यालय के लिए सामान्य प्रकार के व्यक्ति नहीं थे।

फेलिक्स उस सामान्य वर्ग का नहीं था जिसमें से गवर्नर चुने जाते थे। और क्लॉडियस लिसियास उस सामान्य समूह से नहीं था जिसमें से ट्रिब्यून चुने गए थे। आम तौर पर, ट्रिब्यून कुलीन रोमन थे।

तो, हो सकता है कि उनका वहां कोई कनेक्शन रहा हो। हो सकता है कि उनमें कुछ स्तर की मित्रता रही हो। हम जानते हैं कि कभी-कभी शतपति ट्रिब्यूनस के मित्र बन जाते थे।

और ट्रिब्यून कभी-कभी राज्यपालों के मित्र बन सकते हैं। किसी भी मामले में, फेलिक्स संभवतः महायाजक पर विश्वास करने की तुलना में अपने ट्रिब्यून पर विश्वास करने में अधिक इच्छुक है। लेकिन कभी-कभी महायाजक के साथ उसके संबंध अच्छे नहीं होते थे।

परन्तु महायाजक कई दिनों बाद आते हैं। और पॉल को संभवतः उनके पहुंचने पर बहुत ही कम समय के नोटिस पर बुलाया जाएगा। जैसा कि प्रथा है, आरोप लगाने वाले पहले बोलते हैं।

वे टर्टुलस को अपनी ओर से बोलने के लिए कहते हैं। टर्टुलस, जैसा कि उसका नाम दिया गया है, संभवतः एक रोमन नागरिक रहा होगा। यह उन कुलीन पुजारियों की ओर से एक चतुर कदम रहा होगा जो पॉल के संकट में पड़ने पर अनन्या को चाहते हैं।

इसलिए, उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है जो वाक्पटुता से बोल सके और जो रोमन हो। हमें उनके भाषण का केवल सारांश ही मिलता है। लेकिन फिर, अदालती दस्तावेजों में आपको यही सारांश मिलता है।

लोग इसे शॉर्टहैंड में लिख लेते थे, लेकिन वे मुख्य रूप से सारांश रिकॉर्ड करते थे। वही रिकार्ड में चला गया। पॉल जवाब देता है।

और यहां मैं थोड़ा और विस्तार में जाना चाहता हूं। कुछ अलंकारिक तकनीकें हैं जो अधिनियम 24.10-21 में दिखाई देती हैं। श्लोक 21 में, वह न्यायाधीश की प्रशंसा करता है। खैर, शुरुआत में यह प्रथा थी।

वह टर्टुलस की तुलना में उसकी अधिक प्रशंसा करता है जो उसकी चापलूसी करता है और ऐसी बातें कहता है जिसकी हमें उम्मीद नहीं होती। टर्टुलस के भाषण में कहा गया है कि फेलिक्स ने राष्ट्र के लिए शांति स्थापित की है और वह अपने सुशासन के लिए जाना जाता है। वह वास्तव में बिल्कुल झूठ था।

लेकिन यह इस विषय पर आधारित है, ठीक है, चूंकि आप शांति बनाए रखना चाहते हैं और आप देशद्रोह को दबाते हैं, यहाँ एक ऐसा मामला है जहाँ आपको इसे दबा देना चाहिए। लेकिन पॉल न्यायाधीश की प्रशंसा करता है, लेकिन यह अधिक उदार प्रशंसा है और यह अधिक सटीक प्रशंसा है। आप लंबे समय से इस लोगों के जज रहे हैं।

इसलिए, मैं जानता हूँ कि आप इस संस्कृति के बारे में बातें समझते हैं। और निश्चित रूप से, फेलिक्स, बाद में, हम सुनते हैं, मुझे लगता है श्लोक 24 के आसपास, कि फेलिक्स को ईसाइयों के रास्ते, आंदोलन के बारे में पता था। उनकी पत्नी डूसिला थीं।

डूसिला अग्रिप्पा द्वितीय और बर्निस की बहन थी। वह अग्रिप्पा प्रथम की बेटी थी। इसलिए, उसका विवाह एक यहूदी राजकुमारी से हुआ था। वह यहूदिया में क्या चल रहा था इसके बारे में बहुत कुछ जानता था।

और साथ ही, वह काफी समय से वहां था। तो, वह रास्ते के बारे में कुछ जानता था और वह जानता था कि वे राजनीतिक रूप से विध्वंसक आंदोलन नहीं थे। तो यही एक कारण है कि वह पॉल को दोषी नहीं ठहराता।

लेकिन किसी भी मामले में, वह पद 10 में न्यायाधीश की प्रशंसा करता है। पद 11 में, पॉल मामले से जुड़ी घटनाओं का वर्णन करता है। उस समय रक्षा भाषणों और कई, कई प्रकार के भाषणों में यह मानक था।

आप अपने श्रोताओं की प्रशंसा करते हुए एक मानार्थ उपदेश के साथ शुरुआत करेंगे, और फिर आप मामले की ओर ले जाने वाली घटनाओं के विवरण या वर्णन की ओर बढ़ेंगे। इसका प्रयोग सिर्फ भाषणों में भी नहीं किया जाता था। इसका प्रयोग कभी-कभी कुछ अन्य शैलियों में भी किया जाता था।

खैर, घटनाक्रम के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, आप जानते हैं, मैं अभी 12 दिन पहले आया हूँ। यह कुछ ऐसा है जिसे कई गवाहों द्वारा सत्यापित किया जा सकता है जिनका उल्लेख अधिनियम की पुस्तक में भी किया गया था। 12 दिन पहले मैं आया था।

इससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि वह उत्सव के लिए आ रहा था। वह किसी भी समय दिखाई नहीं दे रहा था। वह पिन्तेकुस्त के पर्व के लिये आ रहा था।

इस प्रकार, यह उसकी धर्मपरायणता पर जोर देता है। तो, यह लोकाचार से चरित्र तर्क में फिट बैठता है। अर्थात्, तुम जानते हो, वह परमेश्वर की सेवा करने के लिये आ रहा था।

उसके कई गवाह उपलब्ध थे। तो, श्लोक 12, जहां तक दंगा भड़काने की बात है, ठीक है, मैंने दंगा नहीं भड़काया। मैं आराधनालयों में भी नहीं बोल रहा था।

मैं आराधनालयों में बोलने के लिए पर्याप्त समय तक भी यहाँ नहीं था। और, आप जानते हैं, दंगा भड़काना एक गंभीर अपराध था। तो, यह कुछ ऐसा है जिससे पॉल को तुरंत अपने खिलाफ आरोपों से निपटना होगा।

अक्सर किसी भाषण में कोई उन मुद्दों को सामने रख देता है जिनका वह खंडन कर रहा होता है। इसे लैटिन भाषा में रिफ्यूटियो कहा जा सकता है। श्लोक 13 में, वह कहते हैं, वे जो दावा कर रहे हैं उसे साबित नहीं कर सकते।

पूँजी मामले में, आरोप लगाने वालों पर सबूत का भार था। इसलिए, यदि वे अपना मामला साबित नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें बाहर कर दिया जाना चाहिए। वक्ता अक्सर दूसरे पक्ष के बारे में यह बात कहते थे।

वास्तव में, अधिनियम 25 में, जब लोग पॉल पर आरोप लगा रहे हैं, तो ल्यूक कहते हैं, उन्होंने कई बातें कही हैं जिन्हें वे साबित नहीं कर सके। वे सबूत नहीं दे सके। अब, यदि वे पॉल को दंगों से जोड़ना चाहते थे, तो उन्हें यहीं नहीं रुकना था।

वे घूम सकते थे और अन्य स्थानों से दस्तावेज़ एकत्र कर सकते थे। इफिसुस के लोग, इफिसुस वापस जाने के बाद, यह सुनिश्चित कर सकते थे कि अगले वर्ष वे आएँ, वे अपने साथ दस्तावेज़ ला सकते थे जहाँ वे सत्यापित कर सकते थे, देखो, पॉल इफिसुस में एक दंगे से जुड़ा था। लेकिन वहाँ भी, मेरा मतलब है, यह साबित करना कि उसने दंगा शुरू किया, और भी कठिन होगा।

यही कारण है कि ल्यूक आपको संपूर्ण अधिनियमों में ये सभी साक्ष्य देता है जहाँ पॉल इन दंगों को शुरू करने वाला नहीं था। श्लोक 14 में उस ने कहा, अब मैं तुझ से यह मान लेता हूँ, कि मैं इसी रीति से परमेश्वर की आराधना करता हूँ। खैर, यह प्राचीन फोरेंसिक बयानबाजी और प्राचीन कानूनी बयानबाजी में बहुत अच्छा था।

यह बहुत अच्छा था। लोग अक्सर ऐसी बातें कबूल कर लेते हैं जो गैर-अपराध होती हैं। इससे आपको अन्य चीज़ों के लिए विश्वसनीयता प्राप्त होती है क्योंकि आप इसे स्वीकार कर रहे हैं।

मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं यह काम कर रहा हूँ जो कुछ लोगों को पसंद नहीं है, लेकिन यह गैरकानूनी नहीं है। इसलिए इस पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। वक्ता कभी-कभी गैर-अपराधों को स्वीकार करते हैं।

यह वही आरोप है जो पौलुस ने महासभा से चलाया था। और क्लॉडियस लिसियास, इसलिए, एक गवाह है और अपने पत्र में इसकी पुष्टि करता है कि यह सिर्फ एक धार्मिक मुद्दा है। और पॉल यह सुनिश्चित करता है कि इसे फिर से अदालत के रिकॉर्ड में शामिल किया जाएगा।

यह सार्वजनिक रिकॉर्ड है। उनके खिलाफ वास्तव में एकमात्र चीज़ यह है कि वे कुछ धार्मिक मुद्दों पर उनसे असहमत हैं, जो रोमन कानून के तहत मृत्युदंड का अपराध नहीं बन सकता है। पॉल बहुत होशियार आदमी है।

यह उसकी धर्मपरायणता पर भी जोर देता है क्योंकि, अरे, जिस बात पर वे आपत्ति कर रहे हैं वह उसके भगवान की पूजा करने के तरीके पर है, लेकिन वह भगवान की पूजा कर रहा है। श्लोक 15, वह पुनरुत्थान में विश्वास करता है। खैर, फिर से, यह पहले से ही अदालती दस्तावेज़ में है।

लेकिन पुनरुत्थान में विश्वास, जबकि सद्दुकी, अनन्या और अन्य जो उस पर आरोप लगाने आए हैं, पुनरुत्थान के खिलाफ हैं। वे उनसे सहमत नहीं हैं, लेकिन वे ही अल्पसंख्यक दृष्टिकोण रखते हैं। पुनरुत्थान एक मुख्य यहूदी मान्यता है।

और फ़ेलिक्स का विवाह डूसिला से होने के कारण उसे यह पता होगा। यदि आप पुनरुत्थान में विश्वास करने के लिए पॉल को फाँसी देने जा रहे हैं, तो ठीक है, आपको फरीसियों को फाँसी देनी होगी। आपको अधिकांश लोगों को फाँसी देनी होगी।

तो यह सामान्य स्थानीय ज्ञान था। और वे कुछ भी नहीं कह सकते। महासभा की सुनवाई में भी यही फैसला आया।

इसी बात पर वहां उनके खिलाफ दंगा भड़क गया। श्लोक 16 में, वह कहता है कि उसका विवेक स्पष्ट है। उसने ऐसा अध्याय 23 में कहा था और महायाजक ने उसे मारने का आदेश दिया क्योंकि उसे यह पसंद नहीं था।

लेकिन उनकी अंतरात्मा साफ है। फिर, यह लोकाचार का एक बयान है। यह कहने जैसा है, ठीक है, आप जानते हैं, मुझे पहले किसी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है।

मैंने ईश्वर के समक्ष धर्मपरायणता से काम किया है। इस प्रकार की बातें ऐसी बातें थीं जो अदालत में बचाव पक्ष का एक वक्ता खुद का बचाव करते हुए कहता था और अगर उस पर विश्वास कर लिया जाए तो उसे आम तौर पर छोड़ दिया जाएगा क्योंकि आपको नहीं लगता कि कोई व्यक्ति तुरंत ही अपराधी बन जाता है या दंगा भड़का देता है। और श्लोक 17 में, हम उनके लोकाचार, उनके चरित्र के बारे में और अधिक सीखते हैं।

श्लोक 17 में वह कहता है, मैं अपने लोगों के लिए भिक्षा लाने आया हूँ। अब यहीं पर हम प्रेरितों के काम में पॉल के संग्रह के बारे में सीखते हैं। और ल्यूक यह निर्दिष्ट नहीं करता है कि यह केवल विश्वासियों के लिए था, लेकिन यह निश्चित रूप से यरूशलेम में बहुत से लोगों के लिए था।

तथ्य यह है कि वे आस्तिक हैं, इससे इसमें कोई बदलाव नहीं आता है। और इसलिए, वह अपने लोगों के लिए धन लाने आया था। यह एक सम्माननीय बात है।

और इसके बारे में शिकायत कौन कर पाएगा? इसके बहुत सारे गवाह थे। तो, कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर पाएगा। प्रतिवादियों ने कभी-कभी तर्क दिया, मैं अपने आरोप लगाने वाले को फायदा पहुंचाने के लिए मुकदमे में था, जिससे आरोप लगाने वाला और भी बुरा लग रहा था।

हमने इसे अध्याय चार में देखा, जहां उन्होंने कहा कि अगर हम उस व्यक्ति के प्रति किए गए उपकार के लिए मुकदमा चला रहे हैं जो आपके सामने खड़ा है, तो इससे आरोप लगाने वालों को बहुत बुरा लगता है। हालाँकि श्लोक 18 और 19 वास्तव में मुद्दे को स्पष्ट करते हैं। उनका कहना है कि मुझ पर मंदिर में हमला किया गया।

वह वह नहीं है जिसने दंगा शुरू किया। किसी और ने किया। मंदिरों को अभयारण्य का स्थान माना जाता था।

मंदिर जैसी जगह पर व्यक्ति की सुरक्षा की जानी चाहिए। और वह आगे कहता है, और मेरे आरोप लगाने वालों को, अगर उन्हें कुछ कहना है तो उन्हें यहां होना चाहिए था। अब, वह वाक्य तोड़ देता है।

यहां एक दीर्घवृत्त है जहां वह अपना वाक्य पूरा नहीं करता है। लेकिन आपके आरोप लगाने वालों के खिलाफ आरोप उलट देना आम बात थी। इसे स्पष्ट रूप से कहने के बजाय, इसका अर्थ लगाकर, इसका संकेत देकर उन्हें फंसाना भी आम बात थी।

और ऐसा प्रतीत होता है कि पॉल यहाँ ऐसा कर रहा है, जहाँ वह इसे तोड़ देता है। आप जानते हैं, मैंने मंदिर में दंगा नहीं भड़काया, लेकिन मुझ पर आरोप लगाने वालों ने, ल्यूक की कहानी इसकी पुष्टि करती है। हाँ, उन पर आरोप लगाने वालों ने ही दंगा शुरू किया था।

कोई आश्चर्य नहीं कि वे सामने नहीं आए। और ऐसा प्रतीत होता है कि पॉल का यही अर्थ है। कुछ और जो महत्वपूर्ण है, आप जानते हैं, आप आरोप लगाने वालों के खिलाफ आरोप वापस करते हैं।

और इस मामले में, वह इसे आसानी से कर सकता था। और ल्यूक की कहानी से पता चलता है कि वह इसे आसानी से कर सकता था। जब आरोप लगाने वाले उपस्थित नहीं होते हैं, तो मामले को अदालत से बाहर फेंक दिया जा सकता है, अदालत से बाहर फेंक दिया जाना चाहिए।

समस्या शुरू करने वाले आरोप लगाने वालों पर अदालत के सामने कुछ लाकर और फिर गवाही देने के लिए न आकर न्यायाधीश का समय बर्बाद करने के अपराध के लिए भी मुकदमा चलाया जा सकता है। किसी मामले को छोड़ने के लिए उन पर आरोप लगाया जा सकता है। आरोप लगाने वाले वहां नहीं हैं।

महायाजक ने उन पर मुकदमा चलाना शुरू कर दिया है, लेकिन उनके पास कोई गवाह नहीं है। गवाह नहीं आये. वे संभवतः वास्तव में पहले ही इफिसुस वापस चले गए थे और संभवतः इधर-उधर न रुकने में ही बुद्धिमानी थी।

लेकिन यह उसके मामले को अदालत से बाहर निकालने के लिए पर्याप्त होता। लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि इस मामले को इसलिए खारिज कर देना चाहिए क्योंकि वह आगे बढ़ता है।' आप अक्सर कहते हैं कि आप अंत के लिए तर्क कर रहे हैं।

और वह अपने भाषण के अंत में प्रदर्शित करता है, एकमात्र आरोप जो सैनहेड्रिन के समक्ष सुनवाई से उभरा वह एक ऐसा आरोप है जिसे पॉल ने चालाकी से पेश किया। लेकिन इसमें जो एकमात्र आरोप सामने आया वह धार्मिक रूप से संबंधित था। मैंने मंदिर को अपवित्र नहीं किया।

मैंने और कुछ नहीं किया जो उन्होंने कहा था. मैं देशद्रोह नहीं कर रहा हूं. ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं पुनरुत्थान का उपदेश देता हूं।

और यह महासभा की सुनवाई में पहले से ही स्पष्ट था जिसे लिसियास ने देखा और जिसके बारे में आपको बताया था। रोमन न्याय के किसी भी मानक के अनुसार, पॉल का तर्क इतना स्पष्ट था कि इस मामले को अदालत से बाहर कर दिया जाना चाहिए था। उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए था.

पॉल हिरासत में क्यों रहा? केवल राजनीतिक कारणों से. उन पर आरोप लगाने वाले बहुत ऊंचे दर्जे के थे. अब, यदि वे पूरी तरह से ऊंचे दर्जे के होते और पॉल के पास कोई हैसियत नहीं होती, तो फेलिक्स ने शायद उसे उनके हवाले कर दिया होता और उसे मार डाला होता।

हालाँकि, पॉल की भी कुछ हैसियत थी। याद रखें, वहाँ हजारों की संख्या में यहूदी विश्वासी हैं। यदि पॉल इस आंदोलन में एक नेता है, जो वास्तव में उस पर आरोप लगाने वाले टर्टुलस ने कहा था, तो आप जानते हैं, वह नाज़रीन के संप्रदाय का सरगना है।

खैर, अगर ऐसा है, तो पॉल का अपना कुछ राजनीतिक दबदबा है। साथ ही, वह एक रोमन नागरिक है। उन पर आरोप लगाने वाले हो सकते हैं, लेकिन वह भी हैं।

और अगर उसके पास समर्थक हैं, अगर यह बात रोम तक पहुंचती है कि एक रोमन नागरिक को अन्यायपूर्ण तरीके से मार डाला गया था, तो फेलिक्स मुश्किल में पड़ सकता है। इसलिए, फेलिक्स समय-समय पर पॉल को अंदर आने और उसके सामने बोलने के लिए आमंत्रित करता है। और पॉल धार्मिकता के बारे में बोलता है।

पॉल न्याय के बारे में बोलता है। और फेलिक्स बहुत घबरा जाता है और कहता है, मैं इस बारे में आपसे दूसरी बार सुनूंगा। याद रखें कि यह फेलिक्स और डूसिला दोनों हैं।

जब पॉल धार्मिकता वगैरह के बारे में बोल रहा होता है तो फेलिक्स के पास घबराने का कुछ कारण होता है। धार्मिकता, आत्मसंयम, और निर्णय. उस काल में नैतिक दार्शनिकों द्वारा अक्सर आत्म-नियंत्रण पर जोर दिया जाता था।

खैर, फेलिक्स ने लगातार तीन अलग-अलग राजकुमारियों से शादी की थी। और जिस वर्तमान राजकुमारी से उसकी आखिरी शादी हुई थी, वह डूसिला थी। वह राजा अग्रिप्पा प्रथम की बेटी और अग्रिप्पा द्वितीय और बर्निस की बहन थी, जैसा कि मैंने पहले बताया था।

तो, यहाँ यह जोड़ा है जहाँ उसने वास्तव में उसे अपने लिए पाने के लिए एक साइप्रस यहूदी जादूगर का उपयोग करके उसे उसके पिछले पति से दूर कर दिया। और यह उसके परिवार में बहुत अच्छा नहीं रहा। और यह राजा के साथ बहुत अच्छा नहीं हुआ।

आप जानते हैं, यह एक अच्छी राजनीतिक शादी थी। और इसलिए, उसके पास बैठे हुए ही उसमें कुछ हद तक आत्मसंयम की कमी और कुछ हद तक धार्मिकता की कमी थी। डूसिला के पास भी यही बात थी।

वे बहुत ही अनैतिक शर्तों पर एक साथ आये थे। और पद 26 में ल्यूक कहता है कि उसने पॉल को हिरासत में क्यों रखा, इसका कारण यह है कि वह सिर्फ रिश्वत चाहता था। खैर, यह उस तरीके से फिट बैठता है जिस तरह जोसेफस ने इस अवधि और इस स्थान में रोमन गवर्नरों का वर्णन किया है।

इसलिए, वह पॉल को कैसरिया के महल में आरामदायक आवास में रखता है, जहां सुनवाई हुई थी। और वह उसे हेरोदेस की तरह बोलने के लिए आमंत्रित करता है। एंटीपास अक्सर मार्क अध्याय छह में जॉन को बोलते हुए सुनना पसंद करता था, लेकिन वह उसे जाने नहीं देता।

और वह यहूदियों पर उपकार करने के लिए पॉल को हिरासत में छोड़ देता है, जब वह चला जाता है तो यहूदी अधिकारियों पर उपकार करता है। ऐसा क्यों? फ़ेलिक्स को हर उस सहायता की ज़रूरत थी जो उसे मिल सकती थी। पद 27 में, फ़ेलिक्स को प्रतिस्थापित किया जा रहा है।

उन्हें भ्रष्टाचार के उन आरोपों पर वापस बुलाया जा रहा है जो उनके खिलाफ उच्च पुजारियों द्वारा दर्ज कराए गए थे। ख़ैर, यह बहुत गंभीर हो सकता है। उनके पूर्ववर्ती को भ्रष्टाचार के आरोप में वापस बुला लिया गया था और उनके पूर्ववर्ती के खिलाफ बेहद सफल अभियोजन चलाया गया था, जिसके परिणाम उनके पूर्ववर्ती के लिए बहुत चिंताजनक थे।

इसलिए, फ़ेलिक्स को रोम वापस बुलाया जा रहा है। हम जानते हैं कि फ़ेलिक्स भ्रष्ट था। वह न केवल पॉल से रिश्तत चाहता था, बल्कि उसने एक महायाजक को दूसरे महायाजक को मारने के लिए भी रिश्तत दी थी।

उसने पॉल के मामले को लंबित छोड़ दिया ताकि वह यरूशलेम के यहूदी अधिकारियों से कम से कम कुछ अनुग्रह प्राप्त कर सके। गवर्नरों को कभी-कभी भ्रष्टाचार का दोषी ठहराया जाता था, लेकिन उनके भाई पल्लास, हालांकि वह एक स्वतंत्र व्यक्ति थे और हालांकि अब उन्हीं अधिकारियों के साथ उनके अच्छे संबंध नहीं थे, पल्लास अभी भी शक्तिशाली थे और जाहिर तौर पर उन्होंने फ़ेलिक्स को हटा दिया था। इसलिए, फ़ेलिक्स पर आरोप नहीं लगाया गया, लेकिन उसे अपना गवर्नर पद छोड़ना पड़ा।

जब फ़ेलिक्स को वापस बुलाया गया तो एक नया गवर्नर भेजा गया और नया गवर्नर फ़ेस्तुस था। फ़ेस्तुस सबसे अच्छे हाकिमों में से एक था। वह उन एकमात्र लोगों में से एक है जिन्हें जोसेफस वास्तव में काफी अच्छी तरह से चित्रित करता है।

फ़ेस्तुस एक निरर्थक किस्म का व्यक्ति था। आप देख सकते हैं कि कार्यालय में आने के बाद वह कितनी तेजी से काम में लग जाते हैं। अग्रिप्पा और बर्निस के साथ उनकी अच्छी बनती थी, लेकिन दुर्भाग्य से वह अपने कार्यालय में कम समय तक ही रह पाए।

ऐसा लगता है कि शायद कुछ वर्षों के बाद कार्यालय में ही उनकी मृत्यु हो गई। परन्तु पलास फ़ेस्तुस के साम्हने लाया। जब फ़ेस्तुस इन लोगों के साथ अच्छे संबंध बनाने की कोशिश करने के लिए सबसे पहले यरूशलेम जाता है, जिन्होंने उसके पूर्ववर्ती को वापस बुला लिया था, लेकिन वह एक बकवास किस्म का व्यक्ति है।

वे चाहते हैं कि पॉल पर यरूशलेम में मुकदमा चलाया जाए। अच्छा नहीं। सामान्यतः कैसरिया में लोगों पर मुकदमा चलाया जाता है।

गवर्नर वहीं रहता है और वह वहीं जा रहा है। पॉल को वहां लाए जाने की प्रतीक्षा करने के बजाय, वे बस वहां जाने वाले हैं। उन्हें साजिश के बारे में जानकारी नहीं है।

संभवतः उसे लिसियास के पत्र में भी किसी साजिश के उल्लेख के बारे में पता नहीं है क्योंकि वह अभी-अभी वहां पहुंचा है। उसने इनमें से कोई भी बात नहीं सुनी है। लेकिन यह वास्तव में पॉल के पक्ष में काम करता है क्योंकि यह जो करता है, उससे पॉल का मामला कठघरे में खड़ा हो जाता है।

इसलिए, पॉल की सुनने की क्षमता अन्य की तुलना में तेज़ी से बढ़ती है। लेकिन अब पॉल ने पहले जो हुआ उसका फ़ायदा खो दिया है क्योंकि हालाँकि अदालत के रिकॉर्ड अभी भी मौजूद हैं, फिर भी वह उनमें अपील कर सकता है। मामला वास्तव में नए सिरे से शुरू किया जा रहा है।

इसे नए गवर्नर के साथ नए सिरे से खोला जा रहा है। अब, इस अध्याय का अधिकांश भाग, पद्य से शुरू होकर, यह 25 है, इसका अधिकांश भाग पद 13 से शुरू होता है, अग्रिप्पा द्वितीय और बर्निस की फेस्टस की यात्रा के बारे में बात करता है। हम अन्य स्रोतों से जानते हैं कि अग्रिप्पा और बर्निस अक्सर अपने कार्यकाल की शुरुआत में अधिकारियों से मिलते थे।

हम यह भी जानते हैं कि फेस्तस और अग्रिप्पा के बीच अच्छे संबंध थे, शायद अग्रिप्पा और उसके बहनोई के विपरीत, जिन्होंने उसकी बहन की पिछली शादी में गड़बड़ी की थी। फेस्तस और अग्रिप्पा का विवाह अच्छा था। क्षमा करें, उन्होंने एक-दूसरे से शादी नहीं की थी, लेकिन फेस्तस और अग्रिप्पा के बीच अच्छे संबंध थे।

दरअसल, वे यरूशलेम के पुजारियों के खिलाफ कभी-कभी एक साथ खड़े होते थे। अक्सर, उन्होंने रोम के लिए शांति बनाए रखी। अग्रिप्पा और बर्निस इसके लिए जाने जाते थे।

उन्होंने विद्रोह को रोकने का प्रयास किया। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। और रोम संतुष्ट था कि उन्होंने वास्तव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया क्योंकि विद्रोह के बाद, अग्रिप्पा और बर्निस उसके क्षेत्र में सत्ता में बने रहे।

वे अभी भी जीवित थे, जाहिरा तौर पर, उस समय जब जोसेफस ने पहली शताब्दी के 90 के दशक में अपनी रचनाएँ लिखी थीं। इसलिए, वे निस्संदेह उस समय भी जीवित थे जब ल्यूक ने भी लिखा था। मैं उन शासकों के बारे में बहुत अधिक बुरी बातें नहीं कहना चाहता जो उस समय जीवित थे, हालाँकि उनके पिता, अग्रिप्पा प्रथम, बहुत अच्छे नहीं दिखते, लेकिन जोसेफस में भी वह बहुत अच्छे नहीं दिखते।

बर्निस, यह दिलचस्प है। उसका जीवन बहुत दुखद था, इस समय उसका जीवन बहुत दुखद था। उनका और उनकी बहन दोनों का कम से कम मज़ाक उड़ाया गया और उपहास किया गया और शायद इससे भी बुरा तब हुआ जब उनके पिता की मृत्यु हो गई और कैसरिया में तैनात सीरियाई सहायकों के बीच एक प्रकार का विद्रोह या विरोध हुआ।

खैर, बाद में, उसकी शादी एक राजा से हो जाती है, लेकिन शादी टूट जाती है। और इसलिए, वह अब अपने भाई, अग्रिप्पा के साथ रह रही है। ऐसे लोग भी थे जिन्होंने कहा कि उनके बीच वास्तव में अनाचारपूर्ण संबंध था।

ऐसा लगता है कि यह केवल जुवेनल जैसे अविश्वसनीय प्राचीन स्रोतों में दिखाई देता है, जो लोगों पर व्यंग्य करना पसंद करते थे। संभवतः यह झूठ है, लेकिन वह बदनामी का पात्र थी। बाद में, जेरूसलम की घेराबंदी के दौरान, वह और वेस्पासियन, वेस्पासियन वहां के रोमन जनरल थे।

अंततः वेस्पासियन सम्राट बनने के लिए रोम वापस चला गया। यरूशलेम पर कब्जा करने का काम पूरा करने के लिए टाइटस को छोड़ दिया गया है। उसी के परिणामस्वरूप, बर्निस और टाइटस एक साथ हैं और बर्निस और टाइटस का अफेयर था।

मामला ऐसा था कि जब टाइटस बाद में, इसके काफी समय बाद, सम्राट बनने के लिए रोम वापस गया, तो उसने हमेशा बर्निस से वादा किया था कि अगर वह कभी सम्राट बनेगा, तो वह महारानी बनेगी। खैर, यह ठीक है कि ऐसा नहीं हुआ क्योंकि सम्राट के रूप में कुछ वर्षों के बाद उनकी मृत्यु हो गई। उनके पिता काफी समय तक जीवित रहे थे।

लेकिन जब बर्निस साम्राज्ञी बनने की उम्मीद में रोम गई, तो जोसेफस ने हमें बताया कि कोई भी उसे महल में नहीं आने देगा क्योंकि टाइटस के सलाहकारों ने कहा था कि साम्राज्य एक यहूदी महिला को साम्राज्ञी के रूप में बर्दाश्त नहीं करेगा। बहुत दुखद जीवन. लेकिन किसी भी मामले में, अग्रिप्पा और बर्निस अत्यधिक सम्मानित लोग थे।

अग्रिप्पा वह व्यक्ति था जिस पर फेस्तुस वास्तव में सही परिप्रेक्ष्य के लिए भरोसा कर सकता था। उसे मुख्य पुजारियों पर भरोसा नहीं था। वे अपने पूर्ववर्ती के प्रति अच्छे नहीं थे।

उसने उनके बारे में तरह-तरह की बातें सुनी थीं। वह जानता था कि उनके पास कुछ राजनीतिक एजेंडे थे, लेकिन उसने अग्रिप्पा पर भरोसा किया। अग्रिप्पा ने उसी तरह हेलेनिस्टिक शिक्षा प्राप्त की थी।

और अग्रिप्पा यहूदी होने के साथ-साथ रोमन नागरिक भी था। तो, वह उस तरह का यहूदी व्यक्ति था जिसे एक रोमन गवर्नर सुनना पसंद करेगा। और इसलिए वह इस आदमी की सलाह चाहता है।

तो, वह उससे कहता है, वह इसे थोड़ा सा रंग देता है। वह कहता है, ठीक है, तुम्हें पता है, वह खुद को अच्छा दिखाता है। लेकिन जब उसने इस पहली का उल्लेख किया, तो समझ नहीं आ रहा था कि क्या किया जाए, अग्रिप्पा स्वयंसेवक बन गया।

वह कहते हैं कि मैं खुद उनकी बात सुनना चाहूंगा। और फेस्तुस ने कहा, अच्छा, तो कल करोगे। तो, उन्होंने इसे स्थापित किया।

अब, यहाँ इसके लिए प्रश्न है। इस दृश्य के लिए ल्यूक के गवाह कौन हैं? शायद घर में कुछ नौकर हों? शायद। लेकिन यह कुछ ऐसा नहीं था जो अदालत के रिकॉर्ड में था।

और आप कैसे जानेंगे कि वास्तव में क्या बातचीत हुई? खैर, यहीं पर प्राचीन इतिहासलेखन की शैली महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमें यह ध्यान रखना होगा कि वे आपको वह जानकारी देंगे जो उनके पास थी, लेकिन वे इसे दृश्यों के रूप में पेश करने के लिए भी जिम्मेदार थे। और कभी-कभी आपको कल्पना करनी होगी, ठीक है, सबूतों के बारे में हम जो जानते हैं, उसे देखते हुए क्या हुआ? खैर, हमें क्या पता क्या हुआ? तुम्हें अगले दिन पता चलता है क्योंकि फेस्तुस ऐसा तब कहता है जब वह मामला पेश करता है। वह कहता है, ठीक है, अग्रिप्पा, मुझे इस मामले पर आपकी सलाह की ज़रूरत है।

यरूशलेम में कुछ लोगों ने कहा कि इस आदमी को जीवित नहीं रहना चाहिए, लेकिन इस मामले में मुझे क्या करना चाहिए? और वे अध्याय 25 में पहले से ही उस पर आरोप लगा रहे थे। इसलिए, अध्याय 26 हमें फेस्तुस, अग्रिप्पा और बर्निस के समक्ष यह निर्धारित करने के लिए सुनवाई देता है कि डोजियर में रोम को कौन सा कवर पत्र भेजा जाना चाहिए। और यहाँ पॉल बहुत ही शानदार तरीके से बोलता है, जितना शानदार उसका अरामी बोलना पिछले अध्याय में था, उतना ही शानदार उसका ग्रीक बोलना है, लेकिन पिछले अध्याय में नहीं, अध्याय 22 में पिछला भाषण, भीड़ के सामने बोलना और एक आदमी हनन्याह के बारे में बोलना कानून में बहुत कुशल और यरूशलेम आदि के साथ अपने संबंधों पर जोर देता है।

यहां वह बोलते हैं और अग्रिप्पा को आकर्षित करने के लिए एक अच्छा यहूदी, हेलेनिस्टिक तरह का यहूदी भाषण देते हैं। वह जानता है कि अग्रिप्पा ही वह व्यक्ति है जिससे उसे बात करनी है। अग्रिप्पा ही वह है जिसे उसे मनाना है।

और इसलिए, वह बताता है कि कैसे स्वर्ग से आवाज ने पॉल को चुभन से मारने के बारे में बात की। ठीक है, यीशु ने ऐसा कहा होगा, या यह पॉल की व्याख्या हो सकती है, लेकिन जो कुछ भी था, क्योंकि जब यीशु ने उससे बात की थी तो वह हिब्रू में था, या अरामी में था, यह किसी तरह सेमेटिक भाषण में था, अधिनियम हमें बताता है। लेकिन वह यहां यीशु को उन तरीकों से उद्धृत कर रहा है जो युरिपिड्स की भाषा को प्रतिबिंबित करते हैं, कुछ ऐसा जिसकी वे सराहना कर सकते हैं।

और वह यह पूरा विवरण देता है, वह अपना स्वयं का अनुभव साझा करता है कि यीशु ने उससे क्या कहा था, और वह अब अपने जीवन के लिए स्वयं का बचाव करने की कोशिश नहीं कर रहा है जिस तरह से वह अध्याय 24 में था, बल्कि वह सुसमाचार का प्रचार करने की कोशिश कर रहा है। क्यों? यीशु ने क्या कहा था? यीशु ने लूका अध्याय 21 में कहा, तुम मेरे कारण राजाओं और हाकिमों के साम्हने उपस्थित किए जाओगे। लूका अध्याय 12, लूका अध्याय 21, आत्मा उस घड़ी तुम्हें वह देगा जो तुम्हें कहना चाहिए, अन्यथा वे तुम्हारी बुद्धि का खंडन नहीं कर सकेंगे।

और जब पौलुस को बुलाया गया, प्रेरितों 9:15 इत्यादि, तब भी तुम मेरे नाम के लिये अन्यजातियों और राजाओं के साम्हने सुसमाचार सुनाओगे। खैर, अब उसका मौका है। यहाँ अग्रिप्पा ॥ है, वह अपने पिता की तरह यहूदिया का राजा नहीं है, लेकिन वह इस समय एक छोटे क्षेत्र का राजा है।

और पॉल को इस राजा के सामने बोलने का मौका मिला है। कुछ बिंदु पर फेस्तुस बीच में आता है क्योंकि पॉल पुनरुत्थान और यीशु के उसके सामने प्रकट होने के बारे में बात कर रहा है। और फेस्तुस ने पिछले अध्याय में पहले ही कहा था कि पूरी बहस पॉल के बारे में थी जिसने कहा था कि एक मृत व्यक्ति, यीशु, जीवित था।

खैर, अब अध्याय 26 में, फेस्तुस उसे रोकता है, जो न्यायाधीशों को करने की अनुमति थी और अक्सर करते थे, और कहते हैं, पॉल, तुम्हारी महान शिक्षा ने तुम्हें पागल कर दिया है। अब, यह एक तरह से आधी तारीफ थी। वह मानता है कि पॉल बहुत विद्वान है।

यह उसे अच्छा लगेगा। वास्तव में कुछ मामलों में पागलपन को कानूनी बचाव के रूप में उपयोग किया जाता है, लेकिन संभवतः वह इसे कानूनी बचाव के रूप में उपयोग नहीं कर रहा है। कभी-कभी लोग बयानबाजी करने वालों को पागलपन से बोलने वाला कहते थे, जब वे बहुत जोश के साथ बोलते थे।

और कुछ लोग सोचते हैं कि यह पॉल के जुनून को दर्शाता है। लेकिन दार्शनिक लोगों के बारे में सोचने की प्रवृत्ति रखते थे, ठीक है, लोग अक्सर सोचते थे कि दार्शनिकों ने पागलपन का व्यवहार किया क्योंकि वे दुनिया के बाकी मूल्यों के अनुसार नहीं जीते थे, खासकर निंदक जैसे लोग। और दार्शनिक अक्सर सोचते थे कि शेष विश्व, जनता, पागल है।

वे नहीं जानते थे कि वे किस बारे में थे या कुछ भी। तो, यह उस तरह से भी फिट बैठता है जिस तरह से पॉल जोश से बोल रहा था, प्रेरितों के काम अध्याय 2 में प्रेरणा के लिए एक समान भाषा। लेकिन याद रखें प्रेरितों के अध्याय 2 में, भीड़ ने कहा, ये लोग नई शराब से भरे हुए हैं। वे नशे में हैं।

1 कुरिन्थियों अध्याय 14 में यह भी कहा गया है, यदि तुम सब अन्य भाषाएँ बोल रहे हो, तो लोग यह क्यों नहीं सोचते कि तुम पागल हो? पुराने नियम में भविष्यवक्ताओं को कभी-कभी पागल कहा जाता था। 2 राजाओं के अध्याय 9 में, जब भविष्यवक्ता येहू में आता है, उसे एक तरफ ले जाता है, और इस्राएल के अगले राजा के रूप में उसका अभिषेक करता है, वह अन्य सैन्य अधिकारियों के बीच वापस आता है और वे कहते हैं, यह पागल आदमी क्या चाहता था? और वह कहता है, तुम्हें मामला मालूम है। और फिर वह उन्हें बताता है और वे तुरंत राजा के रूप में उसका स्वागत करते हैं।

लेकिन भविष्यवक्ताओं को अक्सर पागलपन से जोड़ा जाता था। पॉल इस प्रकार की भविष्यवाणी कर रहा है। वह इस तरह से बोल रहा है कि फेस्तुस उससे जुड़ नहीं सका।

यह बिल्कुल वैसा ही था जैसा पीलातुस ने संभवतः यीशु को देखा था। खैर, विशेष रूप से जॉन अध्याय 18 में, जहां यीशु एक राजा होने की बात करते हैं, लेकिन उनका राज्य इस दुनिया का नहीं है। यह सत्य का साम्राज्य है।

खैर, पिलातुस को यह एक सनकी दार्शनिक, हानिरहित, अराजनीतिक संत जैसा लगा। साम्राज्य, रोम के लिए खतरा नहीं। इसलिए, पॉल की बेगुनाही के संदर्भ में यह जरूरी नहीं कि पूरी तरह से बुरी बात हो, लेकिन वह निश्चित रूप से उस पर विश्वास नहीं करता जो पॉल यीशु के बारे में कह रहा था।

और फिर पॉल सीधे अग्रिप्पा से अपील करता है। राजा अग्रिप्पा, मैं जो कह रहा हूँ उसकी सच्चाई आप जानते हैं। मेरा मतलब है, आप जानते हैं कि इस मामले को कोने में छिपाया नहीं गया है, जो उस समय किसी ऐसी चीज के लिए एक मुहावरा या भाषण का अलंकार था जो व्यापक रूप से जाना जाता था, दार्शनिक आंदोलन जो खुले में थे, इत्यादि।

उनका कहना है कि यह मामला कोने में नहीं किया गया है। राजा जानता है कि मैं क्या कह रहा हूँ। और फिर वह राजा से अपील करके कहता है, हे राजा अग्रिप्पा, क्या तू भविष्यवक्ताओं पर विश्वास करता है? खैर, वह व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं की ओर से बोल रहा है।

वह इसे भविष्यवक्ताओं पर आधारित कर रहा है। तो यह राजा अग्रिप्पा को एक कोने में डाल देता है। यदि वह कहता है, हाँ, मैं भविष्यवक्ताओं पर विश्वास करता हूँ, या हाँ, मैं उस पर विश्वास करता हूँ जो आप भविष्यवक्ताओं के बारे में कह रहे हैं।

और इसलिए, वह स्पष्ट रूप से उत्तर देता है, इसका क्या अर्थ है इस पर कुछ बहस है, लेकिन स्पष्ट रूप से वह उत्तर देता है, इतने कम समय में, आप मुझे ईसाई बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आप मुझे यह कहने के लिए उकसा रहे हैं कि हाँ, मैं भविष्यवक्ताओं से सहमत हूँ। इसलिए मैं आपसे सहमत हूँ।

यीशु वह है जो आप कहते हैं कि वह है। और पॉल जवाब देता है, चाहे थोड़े समय में या लंबे समय में, हाँ, मैं तुम्हें परिवर्तित करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि इन जंजीरों को छोड़कर, यहां हर किसी के पास वही हो जो मेरे पास है।

करुणा पर अच्छा अंत. वे उस समय अदालत की सुनवाई को खारिज कर देते हैं और वे एक साथ इकट्ठा हो जाते हैं। और फिर, हमारे पास एक निजी दृश्य है जहां वे एक साथ इकट्ठा होते हैं और निर्णय लेते हैं कि इस आदमी ने मौत के लायक कुछ भी नहीं किया है।

वास्तव में, यदि उसने सीज़र से अपील नहीं की होती तो उसे मुक्त किया जा सकता था। अध्याय 25 में, उसने सीज़र से अपील की ताकि उसे मामले को रोम में न रखना पड़े क्योंकि फ़ेस्तुस एक पक्ष देने के लिए इसे रोम में रखना चाहता था। मेरा मतलब है, जो लोग इसे रोम में आयोजित करने की मांग कर रहे हैं, उनका राजनीतिक तौर पर मज़ाक करना अच्छा लगा।

परन्तु पौलुस ने एक नागरिक के समान सीज़र से अपील की। खैर, यह बेहद अनियमित था। इसीलिए फेस्तुस अपने सलाहकार और अपने सलाहकार कर्मचारियों से सलाह करता है कि क्या किया जाना चाहिए।

क्योंकि आम तौर पर आप दोषी ठहराए जाने के बाद ही अपील कर सकते हैं। पॉल दोषसिद्धि से पहले अपील कर रहा है, हालाँकि यदि उसे मुकदमे के लिए यरूशलेम जाना पड़ता है तो दोषसिद्धि से पहले उसका जीवन अधिक दांव पर है। तो इसके बजाय पॉल क्या करता है, वह सीज़र से अपील करता है।

खैर, फेस्तुस के सलाहकार सहमत हैं, अरे, यह हमारे लिए बहुत अच्छा है, क्योंकि अगर उसने सीज़र से अपील की है, तो हम उसे सीज़र के पास भेज देंगे। इसे हमारे हाथ से निकाल देता है। हम यरूशलेम के अभिजात्य वर्ग से परेशानी में नहीं हैं।

यह हमारे सिर के ऊपर है। यह सम्राट के हाथ में है। मेरा मतलब है, अगर हम सम्राट से अपील को कम कर देते हैं, तो हम सम्राट का अपमान कर रहे हैं।

इसलिए बेहतर होगा कि हम ऐसा न करें। इसलिए, इससे उनके लिए राजनीतिक रूप से चीजें बहुत आसानी से हल हो गईं। इसलिए, उन्होंने निर्णय लिया कि उसे सम्राट के पास जाना होगा।

अच्छा, यह निजी दृश्य कैसे ज्ञात होता है? इस निजी दृश्य को संभवतः इस तथ्य से पुनर्निर्मित किया गया है कि, ठीक है, अग्रिप्पा को यह सुनवाई करने का कारण यह था कि अग्रिप्पा फेस्तुस को आरोप तैयार करने में मदद कर सके। आप कम से कम किसी आरोप और मामले के बारे में स्पष्टीकरण के बिना सीज़र की अदालत में कुछ नहीं भेज सकते। और अग्रिप्पा की सलाह से यह पत्र भेजा जा सकता है।

फिर, यह एक कानूनी दस्तावेज़ है। पॉल और ल्यूक को पता होगा कि कानूनी दस्तावेज़ में क्या है। और यदि वे ऐसा नहीं भी करते, तो संभवतः वे मौखिक निर्देशों से इसका पता लगा सकते थे जो जूलियस सेंचुरियन को दिए गए थे जो रास्ते में पॉल के साथ बहुत अच्छे व्यवहार के कारण उनके साथ जा रहे थे।

हालाँकि यह और भी अच्छा हो जाएगा जब सेंचुरियन को वास्तव में एहसास होगा कि यह भगवान का आदमी है जिसे वास्तव में अपनी तरफ से कुछ अलौकिक सहायक मिला है। और हम अधिनियमों पर अपने अंतिम और संक्षिप्त सत्र में इसके बारे में और अधिक जानेंगे।

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 22, अधिनियम अध्याय 23 से 26 है।